श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 11 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 सितम्बर 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

माता-पिता का ऋण जन्मों तक नहीं चुका सकते : गच्छाधिपतिश्री

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ राजेन्द्र-यतीन्द्र-जयन्तसेन वाटिका, पिपलौदा (म. प्र.) की धर्मधरा पर भव्य चातुर्मासिक आयोजनों के अन्तर्गत श्रीसंघ की आज्ञा से गोस्वामी परिवार द्वारा माता-पिता वन्दना कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गच्छाधिपतिश्री ने उद्बोधन प्रदान करते हुए कहा कि माता-पिता के ऋण को जन्मोंजन्म तक नहीं चुकाया जा सकता है। माँ नव माह तक अपने गर्भ में अनेक कष्ट सहकर भी अपनी सन्तान का पालन-पोषण करती है व जन्म के बाद भी पाल-पोष कर उसे होशियार बनाती है। ऐसे माँ-बाप के उपकारों को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। अपनी सन्तान को दुःखी देखकर माँ की आँखों से नीर बहने लगता है ऐसे माता-पिता की छाया में बच्चे सुखमय जीवन यापन करते हैं। बच्चों को अपने माता-पिता का कभी भी दिल नहीं दुखाना चाहिये।

मंचासीन गच्छाधिपतिश्री एवं मुनिवृन्द

मुनिराजश्री सिद्धरत्नविजयजी म. सा. ने बताया कि मैं माँ-बाप के साथ रहता हूँ नहीं कि माँ-बाप मेरे साथ रहते हैं ऐसा हमें कहना चाहिये। मुनिराजश्री विद्वद्रत्न-विजयजी म. सा. ने कहा कि माता-पिता धन-दौलत की चाह नहीं रखते वे तो दो शब्द प्रेम के बोलने से ही वे खुश हो जाते हैं साथ ही नगर में निर्माणाधीन मुरली मनोहर मन्दिर को निरन्तर गति प्रदान करने के लिए जनसमुदाय को प्रेरणा दी और प्रेरणा को स्वीकार कर यथायोग्य राशि की घोषणा दानदाताओं ने की।

माता-पिता वन्दना कार्यक्रम में सूरत से आये विवेचनकार हार्दिकभाई एवं सोमिलभाई ने अपनी मधुर शैली में माँ के ऊपर विवेचना करते हुए कहा कि जिन्दगी में माँ, महात्मा और परमात्मा के उपकार भुलाये नहीं जा सकते हैं। लोकोक्ति के माध्यम से बताया कि किसी ने उपवास रखा, किसी ने रोजा रखा, सबसे खुशनसीब वो जिसने माता-पिता को रखा क्योंकि पत्थर जब तक पर्वत से जुड़ा रहता है उसका महत्त्व अधिक है उसी प्रकार संयुक्त परिवार के साथ रहता है उसे शान्ति की निश्चित अनुभूति होती है। प्रवचन मण्डप में उपस्थित बेटियों को अपने पिता और बेटों को अपनी माता के चरण स्पर्श करके आशीष लेने को कहा तो सभी चरण स्पर्श करके माता-पिता के गले मिले तो अपने अश्रु को रोक नहीं सके साथ ही आर्ची बाँठिया-जावरा, अर्पण बाफना-रतलाम एवं राजवीर सोलंकी ने अपनी सुन्दर प्रस्तुति से जनमानस को माता-पिता की सेवामें रहने का सन्देश दिया।

आयोजन में लाभार्थी गोस्वामी परिवार के शिवपुरी गोस्वामी व मंगलपुरी गोस्वामी के समीप माताजी गोदावरीबाई की तस्वीर के साथ ही श्रीसंघ बाबूलाल धींग एवं गुणबालाबेन के पुत्र व परिवारजन ने पादप्रक्षालन कर माता-पिता का आशीर्वाद लिया। गच्छाधिपतिश्री ने गोस्वामी परिवार को पुण्य-सम्राट की प्रतिमा भेंट की। इस अवसर पर रतलाम विधायक श्री चैतन्यजी काश्यप विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। कार्यक्रम में विशाल संख्या में नगर एवं आसपास के श्रावक-श्राविका उपस्थित थे।

कर्मों की निर्जरा का पर्व : आचार्यश्री पर्वाधिराज पर्व की आराधना प्रारम्भ

धानेरा, (स. सं),

चर्चा-चक्रवर्ती, धानेरा गादीपति आचार्यदेव श्रीमद्विजय धनचन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की धर्मधरा धानेरा नगरी में चातुर्मासार्थ विराजमान प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में विविध चातुर्मासिक आराधनाएँ तप-जप एवं साधना के साथ उमंग और उत्साह के वातावरण में गतिमान हैं।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि धानेरा नगर में नवकार आराधना, मासक्षमण एवं विविध तपस्याएँ सानन्द सम्पन्न हो चुकी है और अनेक भाई-बहिनों के चल रही है। दिनांक 26 अगस्त 2019 को पर्वाधिराज पर्युषण के प्रथम दिन आचार्यदेवेशश्री ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें यह आठ दिवस कर्मों की निर्जरा करने के लिए सौभाग्य से प्राप्त हुए हैं और प्रत्येक श्रावक का कर्त्तव्य है कि श्रावक धर्म का पालन करते हुए पर्व की समस्त आराधनाएँ भावपूर्वक करके अपने कर्मों की निर्जरा करते हुए पुण्य अर्जित करें। पूर्व में अनेक भव्यात्माओं ने इस पर्व की आराधना कर अपने आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। अपने वैचारिक, पारिवारिक और सामाजिक मतभेद मिटाने का सन्देश यह पर्व देता है। हम अपनी कलुषित भावना को सद्भावना में बदलें तभी इस पर्व को मनाना सार्थक होगा।

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ एवं श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरु मन्दिर, धानेरा द्वारा आयोजित पर्युषण पर्व में एकम के दिन श्री महावीर जन्मकल्याणक हर्षोल्लास के साथ अनेक कार्यक्रमों के साथ मनाया जायेगा। प्रतिदिन अष्टाह्निका व्याख्यान में विशाल संख्या में गुरुभक्त जिनवाणी श्रवण का लाभ ले रहे हैं।

मनमोहक अंगरचना

पर्वाधिराज पर्युषण की अष्टदिवसीय आराधना के अन्तर्गत प्रतिदिन पूजन, रात्रि में संगीत की स्वरलहरियों के साथ भक्ति-भावना, प्रतिक्रमण के साथ विविध तपस्याएँ नगर में चालू है। 60 श्रावक-श्राविकाओं के चौसठ प्रहरी पौषध की विशेष आराधना चल रही है। जिनालय में प्रतिदिन प्रभु एवं गुरुदेव की मनमोहक अंगरचना के दर्शनार्थ समाजजन और अन्य समाज के लोगों का आगमन हो रहा है।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

परिषद् द्वारा झण्डारोहण एवं वृक्षारोपण

बेंगलूरु (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. की प्रेरणा से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुक परिषद् शाखा बेंगलूरु द्वारा स्वतन्त्रता दिवस पर स्थानीय श्री रामपुरम् स्थित सेवा आश्रम स्कूल में अध्यक्ष श्री डूँगरमल चौपड़ा ने झण्डारोहण किया। इस अवसर पर श्री चौपड़ा ने पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री को वन्दन करते हुए उन्हीं की प्रेरणा से गठित परिषद् के उद्देश्यों और गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बेंगलूरु में विगत 25 वर्षों से प्रतिवर्ष जरूरतमन्द विद्यार्थियों को पाठ्यसामग्री के वितरण की चर्चा करते हुए देश की आजादी में शहीद हुए वीर जवानों व स्वतन्त्रता सैनानियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण का महत्त्व बताते हुए कहा कि गत पाँच वर्षों से परिषद् शाखा अपने स्तर पर राष्ट्रीय पर्व के उपलक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत वृक्षारोपण परिषद् अपने स्तर पर कर रही है। परिषद् के राष्ट्रीय मन्त्री श्री प्रकाश हिराणी व अन्य पदाधिकारियों के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर मन्त्री श्री नेमीचन्द जैन, कोषाध्यक्ष श्री रमेश जैन, श्री प्रकाश बालड़ सहित कई लोग उपस्थित थे।

सम्यग्ज्ञान अभिवृद्धि हेतु कूपन योजना

उदयपुर (स. सं.),

सम्यग्ज्ञान अभिवृद्धि सूत्र कण्ठस्थ कूपन योजना के अन्तर्गत श्री यतीन्द्र ज्ञान पीठ के अधिष्ठाता श्री सुरेन्द्र लोढ़ा के मार्गदर्शन में अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् द्वारा मध्यप्रदेश की धार्मिक पाठशालाओं में अभियोजित सूत्र कण्ठस्थ कूपन योजना को एक वर्ष पूर्ण हो गया है और अनेक बच्चों ने ज्ञान अभिवृद्धि की।

इस योजना के अन्तर्गत कूपन प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने एवं विशेष रूप से राई-देवसिय व पंच प्रतिक्रमण विधि सहित अभ्यास करने वाले ज्ञानार्थियों का सम्मान करने पूज्य गच्छाधिपतिश्री की पावन निश्रा में दिनांक 2 व 3 नवम्बर 2019 को दो दिवसीय कार्यक्रम पिपलौदा में आयोजित होगा।

सूत्र कण्ठस्थ कूपन योजना का सम्पूर्ण लाभ पुण्य-सम्राट की दिव्य प्रेरणा से परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश धरू, मातुश्री विजयाबेन बचुभाई धरू परिवार ने लिया है।

पर्युषण पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश धरू के साथ अन्य पदाधिकारी मध्यप्रदेश की उन प्रत्येक पाठशालाओं का अवलोकन निरीक्षण करेंगे जहाँ यह कूपन योजना चल रही है।

बहना तुमसे कुछ कहना है

नागदा जं. (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री डॉ. अमृतरसाश्रीजी म.सा. ने नागदा जं. चातुर्मास के अन्तर्गत नगरपालिका कम्यूनिटी सभागार में आयोजित धर्मसभा में बहना तुमसे कुछ कहना है विषयक प्रवचन प्रदान करते हुए कहा कि बहना आपका जीवन गुलाब के फूल के समान है। आपको नहीं पता है कि सौन्दर्य, रूप-रंग और आपकी धन-दौलत पर कितने लोगों की निगाह है। पाश्चात्य संस्कृति ने भारतीय संस्कारों को तहस-नहस कर दिया है। एक पिता अपनी बेटी का पालन-पोषण करके बड़ा करता है बचपन से यौवनावस्था तक संस्कारों का पाठ पढ़ाता है और वह लड़की वर्षों के स्नेह और प्रेम को भूल मात्र 2 माह के दिखावटी प्यार में डूब कर बिना सोचे-समझे अपना जीवन प्रेमी को समर्पित कर देती है। प्रेमी मात्र अपनी वासना को शान्त कर उस लड़की का जीवन बर्बाद कर देता है।

साध्वीश्री ने उपस्थित बालिकाओं को प्रण दिलवाया कि चाहे कैसी भी परिस्थिति जीवन में निर्मित हो किन्तु हम अपने माता-पिता एवं कुल का नाम कभी भी कलंकित नहीं होने देंगी।

चातुर्मास में प्रथम कार्यक्रम साध्वीश्री की निश्रा में हुआ जिसमें सकल जैन समाज श्वेताम्बर, स्थानकवासी एवं दिगम्बर सम्प्रदाय ने एक मंच पर जाहिर प्रवचन का श्रवण किया। धर्मसभा से पूर्व प्रातः जैन कॉलोनी स्थित जयन्तसेन आराधना भवन से चल समारोह का आयोजन किया गया। चल समारोह में एगोशदीप स्कूल के विद्यार्थी स्कूल बैण्ड वादन से साध्वीश्री की अगवानी करते चल रहे थे। धर्मसभा में सामूहिक गुरुवन्दन किया गया। उपस्थित अतिथियों ने दादा गुरुदेवश्री के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण करते हुए वन्दन किया। मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का श्रीसंघ व चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों ने बहुमान किया। नगर में प्रवचन की प्रशंसा सुनी गई।

संयमी को वन्दन यात्रा का प्रथम दौर

उदयपुर (स. सं.),

संयमी को वन्दन यात्रा के प्रथम दौर का शुभारम्भ दिनांक 17-8-2019 को प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. को वन्दन करते हुए परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश धरू, महामन्त्री श्री अशोक श्रीश्रीमाल, श्री प्रकाश छाजेड़, गुजरात प्रान्त के महामन्त्री श्री संजय अदाणी, प्रान्तीय पर्यावरण मन्त्री श्री विनोद पोरवाल एवं प्रान्तीय परिषद् की श्रीमती संगीता पोरवाल ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर गच्छाधिपतिश्री ने परिषद् की पुस्तक में अपने आशीर्वचन लिखते हुए राष्ट्रीय पदाधिकारियों को सन्देश प्रदान किया।

साध्वीश्री की निश्रा में तप का मेला

भायन्दर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री रिद्धिनिधिश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-5 का चातुर्मास भायन्दर (ईस्ट) मुम्बई में श्री थराद जैन के तत्वावधान में जप-तप एवं साधना के साथ चल रहा है।

साध्वीजी की शुभ प्रेरणा से पन्द्रह तपस्वी रत्नों के सिद्धितप, सोलह उपवास से अट्ठाई की तपाराधना एवं नीवि की तपस्या उमंग और उत्साह के साथ चल रही है। नित्य साध्वीश्री द्वारा प्रदत्त जिनवाणी श्रवण का लाभ भायन्दर एवं निकटवर्ती भक्त ले रहे हैं। संघ में सात वर्ष से सत्तावन वर्ष की आयु के चौपन भाई-बहिनों के पर्युषण पर्व पर चौंसठ प्रहरी पौषध चल रहा है। चौंसठ प्रहरी पौषध का लाभ संघ की आज्ञा से सुश्रावक श्री चम्पकभाई मफतलाल वोरा परिवार, वामी वालों ने लिया है।

भाण्डवपुर महातीर्थ में पर्युषण पर्व पर आँगी के लाभार्थी

दिनांक 26 अगस्त 2019 से 3 सितम्बर 2019 तक

प्रथम दिन	श्रीमती देवीबाई गोमराजजी गाँधी, डूडसी
द्वितीय दिन	शा. काजूमलजी ओटमलजी संघवी, कोमता-भीनमाल
तृतीय दिन	शा. मानमलजी मुलतानमलजी बाफना, पाँथेड़ी
चतुर्थ दिन	शा. मूलचन्दजी सुखराजजी बालगोता, मेंगलवा-दिल्ली
पंचम दिन	शा. जुगराजजी गुटराजजी छत्रियावोरा, सुराणा
षष्ठ दिन	शा. भँवरलालजी मेघराजजी छत्रियावोरा, सुराणा
सप्तम दिन	शा. पारसमलजी साँवलचन्दजी बालगोता, मेंगलवा-दिल्ली
अष्टम दिन	शा. कान्तिलालजी गेबाजी डामराणी, मेंगलवा
नवम दिन	शा. मदनलालजी राणमलजी श्रीश्रीमाल, दाधाल

योगी-वाणी

सदैव एक अच्छे मनुष्य बनने का प्रयत्न करो, परन्तु उसको साबित करने का प्रयत्न मत करो। क्योंकि इस दुनिया में व्यक्ति को देखने की सभी लोगों की पृथक्-पृथक् दृष्टि होती है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

संयुक्त परिवार नाटक का मंचन

बेंगलोर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी पू. साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में बेंगलोर नगर में चल रहे चातुर्मास के अन्तर्गत तप-त्याग-आराधना की त्रिवेणी उल्लासमयी वातावरण में विविध कार्यक्रमों के साथ प्रवहमान हो रही है।

दिनांक 18-8-2019 को श्री राजेन्द्र भवन के प्रांगण में माता-पिता विषयक लघु नाटक 'संयुक्त परिवार' का मंचन किया गया। सुन्दर भावाभिव्यक्ति की प्रस्तुति के साथ नाटक द्वारा बहुत ही मार्मिक बातों से कलाकारों ने उपस्थित लोगों का मनमोह लिया। साथ ही फेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें कई बच्चों ने भाग लिया।

पुण्य सप्तमी पर हुए आयोजन

पाटण (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की शुभ निश्रा में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की 28 वीं पुण्यतिथि सप्तमी विविध कार्यक्रमों के साथ मनाई गई।

सप्तमी के दिन पंचासरा जिनालय में परमात्मा की मनमोहक अंगरचना की गई एवं जीवदया के कार्यक्रम किए गए। पुण्य सप्तमी के उपलक्ष्य में आयम्बिल भवन में आयम्बिल के तपस्वियों एवं आयम्बिल भवन के सेवार्थी भाई बहिनों का संघ पूजन किया गया। सभी कार्यक्रमों का लाभ पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पावन प्रेरणा से उनकी निश्रा में नव दिवसीय नवकार महामन्त्र की आराधना करने वाले राजस्थान के सायला नगर के गुरुभक्तों ने लिया। त्रिस्तुतिक जैन उपाश्रय में प्रातः और सायं गुरुभक्तों द्वारा पुण्य-सम्राट गुरुदेव की आरती की गई।

साध्वीश्री द्वारा 36 उपवास की तपस्या

डीसा (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी पू. साध्वीश्री अमितदृष्टाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या पू. साध्वीश्री संवेगप्रियाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-11 का भव्य चातुर्मास विविध आराधनाओं के साथ गतिमान है।

इस चातुर्मास में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के वरदहस्तों अन्तिम दीक्षा प्राप्त करने वाली पू. साध्वीश्री देवमप्रियाश्रीजी म. सा. के 36 उपवास की उग्र तपस्या चल रही है। उग्र तपस्या का पारणा श्री डीसा त्रिस्तुतिक जैन संघ द्वारा गुरु मन्दिर, नेमिनाथ नगर, डीसा के प्रांगण में दिनांक 3-8-2019 को भव्य कार्यक्रम के साथ होगा। यतीन्द्र वाणी परिवार पू. साध्वीश्रीजी के द्वारा किये तप की अनुमोदना करते हुए सुखसातापृच्छा करता है।

महिला परिषद् द्वारा मानव सेवा

इन्दौर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की सद्प्रेरणा एवं पट्टधरद्वय गच्छाधिपति धर्मदिवाकरश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीर्वाद से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद्, गुमास्ता नगर, इन्दौर सदस्याएँ मानव सेवा जैसे प्रकल्प के अन्तर्गत बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने राज शान्ति आशियाना वृद्धाश्रम गई। वहाँ पर सदस्याओं ने वृद्धजनों को भोजन करवाया एवं एक माह के अनाज का भण्डारण करवाया। सभी सदस्याओं ने वृद्धजनों से आशीर्वाद लेते हुए उनसे बातचीत करके उनके जीवन के कुछ क्षणों को प्रसन्न बनाने का प्रयास किया। जब उन वृद्धों द्वारा बनाई गई रुई की बत्तियाँ खरीदी तब उनके चेहरों पर आई प्रसन्नता को देखकर महिला परिषद् की सदस्याओं को सुखानुभूति का अहसास हुआ।

नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके। -सम्पादक

नोट- 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक प्राप्त करने के लिए आप अपना पूर्ण पता मय पिन कोड एवं मो. नं. के साथ निम्न चलभाष नम्बर पर वाटसप करें।
09426285604, 09413763991

राजेन्द्र कोष कोहिनूर : वैभवरत्न

बीजापुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा-3 की शुभनिश्रा में बीजापुर (कर्नाटक) में श्री त्रिस्तुतिक जैन संघ द्वारा आयोजित विश्वमांगल्य वर्षावास विविध धार्मिक आयोजनों के साथ चल रहा है।

मुनिराजश्री प्रतिदिन अपनी ओजस्वी वाणी से धर्म का मर्म अपनी विशिष्ट शैली के द्वारा प्रवचन के माध्यम से सबको रसास्वादन करा रहे हैं। दिनांक 18-8-2019 को सुपर सन्डे के अन्तर्गत मुनिराजश्री के सान्निध्य में प्रातः 6 बजे अष्टप्रकारी पूजा कराई गई। प्रातः 8 बजे विश्वमांगल्य अनुष्ठान के माध्यम से मुनिराजश्री ने बताया कि विश्वपूज्य दादा गुरुदेव द्वारा प्रणीत राजेन्द्र कोष कोहिनूर है। ज्ञान का अथाह सागर है जिसके प्रत्येक शब्द में ज्ञान का महासागर भरा पड़ा है।

प्रवचन के पश्चात् प्रातः 10.15 से 12 बजे तक बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को संस्कारवान बनाने हेतु प्रेरणास्पद कार्यक्रम किया गया। दोपहर 3 से 4 बजे तक कन्या शिविर में मुनिराजश्री ने 'लव या जिन्दालाश' विषयक प्रवचन प्रदान किया। सायं 7.15 बजे सामूहिक प्रतिक्रमण किया गया। सभी कार्यक्रमों में बच्चों और बड़ों ने उत्साह से भाग लिया।

जयन्तसेन धाम में वार्षिक ध्वजारोहण

रतलाम (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की अन्तिम चातुर्मास स्थली जयन्तसेन धाम में काश्यप परिवार द्वारा निर्मित श्री मुनिसुव्रतस्वामी जिनालय एवं श्री राजेन्द्रसूरि गुरुमन्दिर की तीसरी वर्षगाँठ पर ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। श्री जयन्तसेन धाम चैतन्य काश्यप जैन श्वेताम्बर तीर्थ पेढ़ी के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में श्री मुनिसुव्रतस्वामी की प्रतिमा पूजन के पश्चात् जिनालय पर विधिविधान के साथ ध्वजारोहण किया गया। काश्यप परिवार के श्री सिद्धार्थ काश्यप, पूर्वी काश्यप एवं श्रवण काश्यप ने पूजा विधि सम्पन्न की।

इस अवसर पर अनेक समाजजन उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात् नवकारसी का आयोजन किया गया तथा जयन्तसेन धाम परिसर में समाजजनों ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधारोपण भी किया।

पुण्य सप्तमी पर अनेक आयोजन सम्पन्न

राजगढ़ (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की 28 वीं पुण्यतिथि निमित्त त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक/महिला/तरुण परिषद् परिवार, राजगढ़ (म. प्र.) विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दिनांक 23-8-2019 पुण्यतिथि के दिन प्रातः 9 बजे श्री जयन्तसेन म्यूजियम परिसर में जाकर पुण्य कलश के दर्शन किए गए। प्रातः 11.30 बजे श्री राजेन्द्र भवन में सामूहिक आयम्बिल तप किया गया। दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक सामूहिक सामायिक एवं नवकार जाप किया गया। दोपहर में श्री जयन्तसेन अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई।

आयम्बिल, सामायिक व पूजन का लाभ श्री विजयकुमारजी धूलचन्दजी बाफना परिवार एवं श्री आनन्दीलालजी माँगीलालजी सराफ परिवार राजगढ़ वालों ने लिया। सभी कार्यक्रमों में समाजजनों की उपस्थिति रही।

राजगढ़ में प्रति वदि सप्तमी को श्री जयन्तसेन अष्टप्रकारी पूजन पढ़ाने का वार्षिक लाभ श्री आनन्दीलालजी माँगीलालजी सराफ परिवार द्वारा लिया गया है।

जैन समाज का लोकप्रिय एवं सबसे अधिक संख्या में प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये। घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

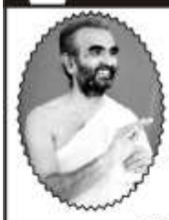

आचार्यदेवेशश्री की निश्रा में धानेरा में ग्रन्थ का लोकार्पण

धानेरा (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर एवं कृपासिन्धु, योगिराज गुरुदेवश्री के सुशिष्य भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्र आराधक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का वर्षावास सानन्द धानेरा (गुजरात) में अनेक विध तप-जप के आयोजनों के साथ गतिमान है।

दिनांक 18 अगस्त 2019 को आचार्य-देवेशश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभ निश्रा में चर्चाचक्रवर्ती, धानेरा गादीपति आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय धनचन्द्र-सूरीश्वरजी म. सा. द्वारा लिखित 'निर्णय पत्रिका' नामक ग्रन्थ द्वितीय आवृत्ति का लोकार्पण उदयपुर के गुरुभक्त श्री जीवनसिंहजी मेहता एवं मुम्बई मेट्रो जनरल मेनेजर श्री यशपालजी मेहता ने किया।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि परम पूज्य आचार्यदेवेशश्री ने इस ग्रन्थ के द्वितीय प्रकाशन एवं महत्त्वपूर्ण विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। स्मरण रहे कि 107 वर्ष पूर्व प्रकाशित 'निर्णय पत्रिका' ग्रन्थ का पुनर्मुद्रण श्री यतीन्द्र वाणी प्रकाशन, मोटेरा-अहमदाबाद द्वारा किया गया।

आचार्यदेवेशश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के दर्शन-वन्दन हेतु नित्य श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है। इसी क्रम में उदयपुर से श्री मेहता सपरिवार दर्शन-वन्दन को पधारे।

लेखा तू करले अपना

रचयिता- दादा गुरुदेव की आरती के प्रणेता
परम गुरुभक्त श्री कुन्दनमलजी डाँगी

(तर्ज- रिमझिम बरसे बादरवा....)

पर्व पर्युषण आया रेऽऽ, लेखा तू करले रे अपना।
कितना कमाया प्राणी कितना गँवाया ।। स्थाई ।।

परभव से पुण्यों की पूँजी लाए हो...लाए हो।
मनुष्य जन्म इस भव में, दुर्लभ पाए हो...पाए हो।
इसको सफल कराले रे,
परनिन्दा करके फोगट, समय गँवाया प्राणी समय गँवाया ।। 1 ।।

सम्वत्सरी का पडिक्कमणा, तुम करते हो...करते हो।
सब जीवों से क्षमाचायना, करते हो...करते हो।
तुम भी क्षमा कर देते रे,
पर यह सब खाली किरिया, ऊपरी दिखावा प्राणी ऊपरी दिखावा ।। 2 ।।

अभयदान जीवों को कितना, दिलवाया...दिलवाया।
झूठ आदि पापों को कितना, बिसराया...बिसराया।
कितना त्याग कराया रे,
निन्दा भी त्यागी कितनी, ध्यान लगाया प्राणी ध्यान लगाया ।। 3 ।।

दिल से पडिक्कमणा तू प्राणी, करना रे...करना रे।
राग-द्वेष तज प्रेम हृदय में, धरना रे...धरना रे।
सद्गुण का धन बढ़कर रे,
परभव में सुख पहुँचावे, धर्म कमाया प्राणी धर्म कमाया ।। 4 ।।

सच्चा मारग सूरिराजेन्द्र ने, बतलाया...बतलाया।
यतीन्द्रसूरीश्वर ने फिर-फिर कर, समझाया...समझाया।
'कुन्दन' दिल में धरले रे,
गुरुवर है ज्ञानी पाया, ज्ञान बताया प्राणी ज्ञान बताया ।। 5 ।।

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने वहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

SCAN ME

✲ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ✲
http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur
bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222
www.bhandavpur.com
पेड़ी +91-7340019702-3-4
BTveer

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।
✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईज फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित